



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, १७ जनवरी, २०००/२७ पौष, १९२१

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग
विधायी (अंग्रेजी) शाखा

अधिसूचना

शिमला-२, १७ जनवरी, २०००

संख्या एल० एल० आर०-डी० (६)-१८/९९-लैंग.—हिमाचल के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद २०० के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक १५-०१-२००० को अनुमोदित हिमाचल प्रदेश मनोरंजन शुल्क (द्वितीय संशोधन) विधेयक, १९९९ (१९९९ का विधेयक संख्या: १७) को २००० के हिमाचल

प्रदेश अधिनियम संख्या 3 के रूप में संविधान के अनुच्छेद 348(3) के अधीन उसके प्राधिकृत पाठ सहित हिमाचल प्रदेश के राजपत्र में प्रकाशित करते हैं।

आदेश द्वारा,

रामेश्वर शर्मा,
सचिव।

2000का अधिनियम संख्या 3

हिमाचल प्रदेश मनोरंजन शुल्क (द्वितीय संशोधन) अधिनियम, 1999

(राज्यपाल महोदय द्वारा तारीख 15 जनवरी, 2000 को यथाश्रुतमोदित)

हिमाचल प्रदेश मनोरंजन शुल्क अधिनियम, 1968 (1968 का 12) का और संशोधन करने के लिए अधिनियम ।

भारत गणराज्य के पचासवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो:—

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश मनोरंजन शुल्क (द्वितीय संशोधन) अधिनियम, 1999 है ।

1968 का
12

2. हिमाचल प्रदेश मनोरंजन शुल्क अधिनियम, 1968 की धारा 2 में,—

धारा 2 का
संशोधन ।

(i) विद्यमान खण्ड (क) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(क-i) “आकाशी रज्जुमार्ग” से, शक्ति के प्रयोग द्वारा चालित और वाहक द्वारा व्यक्तियों के वहन के लिए उपयोग किया गया आकाशी रज्जुमार्ग अभिप्रेत है ;” ;

(ii) विद्यमान खण्डों (क क), (क क क) और (क क क क), को क्रमशः (क-ii), (क-iii) और (क-iv) के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाएगा, तथा तत्पश्चात् निम्नलिखित खण्ड (क-v) अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(क-v) “वाहक” से, रज्जु से लटका या निर्लंबित या कर्षित कोई यान या पात्र अभिप्रेत है ;” ;

(iii) खण्ड (घ) में, “या दौड़” के स्थान पर, “, दौड़, आकाशी रज्जुमार्ग वाहक” चिन्ह और शब्द रखे जाएंगे; और

(iv) विद्यमान खण्ड (झ) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड (झ झ) अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(झ झ) “रज्जू” के अन्तर्गत किसी वाहन के निलंबन, परिवहन या कर्षण के लिए कोई केबल, तार, रेल या रास्ता है, चाहे वह नम्य हो या कठोर, यदि ऐसे केबल, तार, रेल या रास्ते का कोई भाग ऊपर ले जाया जाता है और स्तम्भों से निलंबित या उन पर आलम्बित किया गया है ; और”

Act No. 53 of 2000.

THE HIMACHAL PRADESH ENTERTAINMENTS DUTY (SECOND AMENDMENT) ACT, 1999

(AS ASSENTED TO BY THE GOVERNOR ON 15TH JANUARY, 2000)

AN

ACT

further to amend the Himachal Pradesh Entertainments Duty Act, 1968 (Act No. 12 of 1968).

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fiftieth Year of the Republic of India as follows:—

Short title.

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Entertainments Duty (Second Amendment) Act, 1999.

Amendment of section 2.

2. In section 2 of the Himachal Pradesh Entertainments Duty Act, 1968,—

12 of 1968

(i) after existing clause (a), the following clause shall be inserted, namely:—

“(a-i) “aerial ropeway” means an aerial ropeway propelled by use of power and used for carriage of persons through a carrier ;”;

(ii) the existing clauses (aa), (aaa) and (aaaa) shall be renumbered as (a-ii), (a-iii) and (a-iv) respectively, and thereafter the following clause (a-v) shall be inserted, namely:—

“(a-v) “carrier” means any vehicle or receptacle hung or suspended from, or hauled by, a rope ;”;

(iii) in clause (d), for the words “or race”, the signs and words “; race, an aerial ropeway carrier” shall be substituted ; and

(iv) after existing clause (i), the following clause (ii) shall be inserted, namely:—

“(ii) “rope” includes any cable, wire, rail, or way, whether flexible or rigid, for suspending, carrying or hauling a carrier, if any part of such cable, wire, rail, or way, is carried overhead and is suspended from or supported on posts ; and ”.